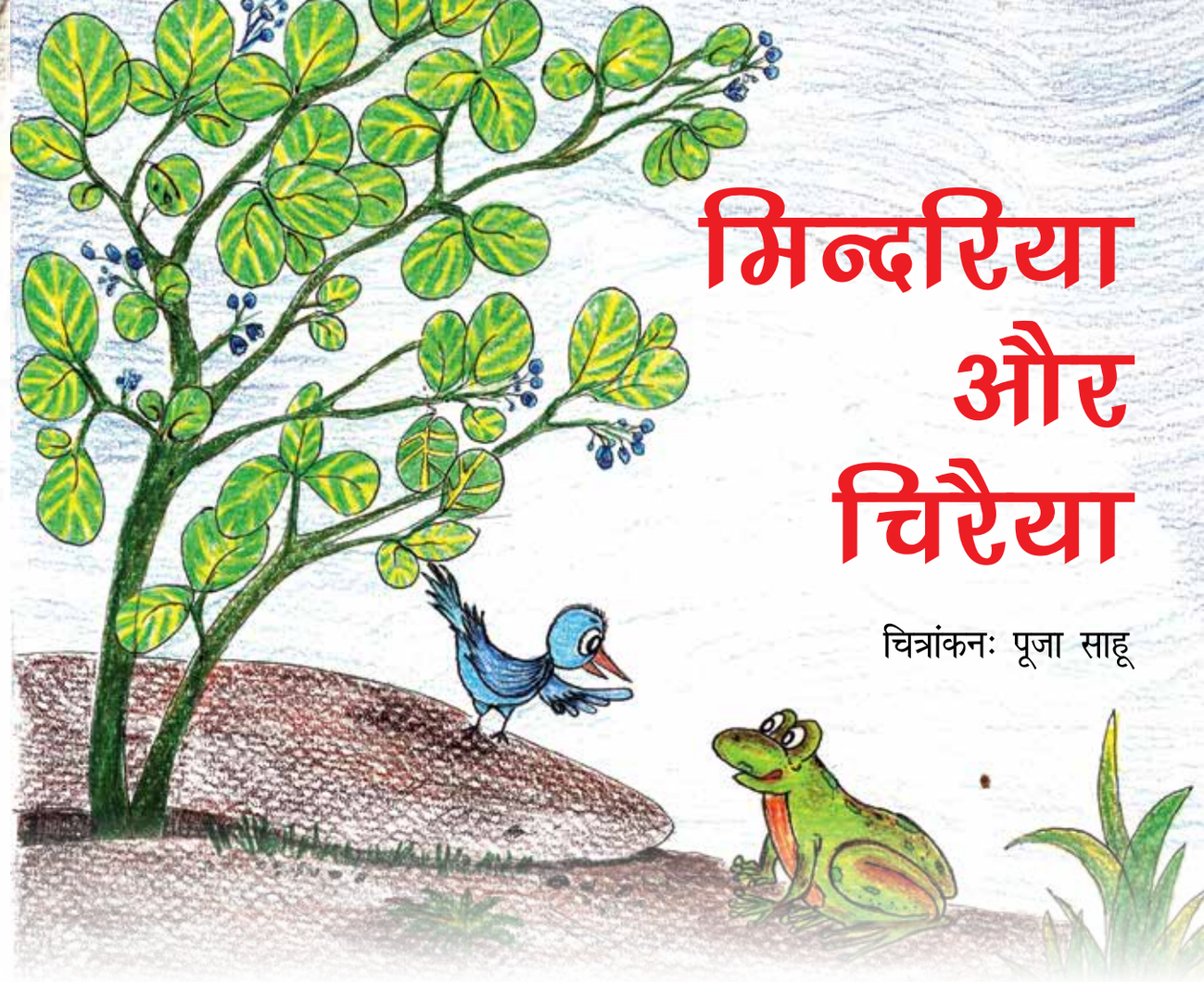

चिड़िया कहने लगी, “कैसी रही?”
मेंढ़की बोली, “मैं तो कान छिदवा रही थी।”

स्रोतः मोनिका । संपादनः प्रभात । चित्रांकनः पूजा साहू
पठन कार्ड एल.एल.एफ. के “स्थानीय विकास कार्यक्रम” के तहत विकसित की गई है।

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation
TATA TRUSTS
unicef for every child

मिन्दरिया और चिरैया

चित्रांकनः पूजा साहू

एक थी मेंढ़की, एक थी चिड़िया।
उन्हें कुँआ मिला।
चिड़िया तो फर्र उड़ गई।
मेंढ़की कुंए में गिर गई।

चिड़िया कहने लगी, "कैसी रही?"
मेंढ़की बोली, "मैं तो नहा रही थी।"

फिर दोनों आगे चलती गईं, चलत गईं।
बाड़ी मिली। चिड़िया तो फर्र उड़ गई।
मेंढ़की बाड़ में फँस गई।